भारत सरकार
रेल मंत्रालय

लोक सभा
11.03.2026 के
अतारांकित प्रश्न सं. 3117 का उत्तर

मैनपुरी जिले में रेल संपर्क

3117. श्रीमती डिम्पल यादव:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) मैनपुरी जिले से शुरू होने वाली/तक जाने वाली/वहाँ से गुजरने वाली ट्रेनों की संख्या कितनी है और रेल संपर्क की वर्तमान स्थिति क्या है और क्या गत पांच वर्षों के दौरान सेवाओं के विस्तार का कोई प्रस्ताव लंबित है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार ने बढ़ती जनसंख्या, दैनिक यात्रियों के आवागमन और आसपास के शहरों में विद्यार्थियों की आवाजाही को देखते हुए मैनपुरी जिले के लिए यात्रियों की मांग का कोई आकलन किया है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) मैनपुरी जिले से संबंधित नई ट्रेन सेवाएं शुरू करने/मौजूदा मार्गों के विस्तार/रेल लाइनों के दोहरीकरण/विद्युतीकरण कार्यों के किसी भी लंबित प्रस्ताव की स्थिति क्या है; और

(घ) सेवा की पुरानी कमी को दूर करने के लिए मैनपुरी जिले में रेल संपर्क और यात्री सुविधाओं को बढ़ाने हेतु प्रस्तावित समय-सीमा और विशिष्ट कदमों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री
(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (घ): चूंकि रेल नेटवर्क जिले की सीमाओं के आर-पार फैला होता है, इसलिए रेलगाड़ियों को नेटवर्क की आवश्यकता के अनुसार ऐसी सीमाओं के आर-पार शुरू/परिचालित किया जाता है।

मैनपुरी जिला मुख्य रूप से मैनपुरी, मैनपुरी कचहरी और शिकोहाबाद स्टेशन को सेवित करता है जो क्रमशः 05 जोड़ी, 02 जोड़ी और 21 जोड़ी रेलगाड़ी सेवाओं द्वारा सेवित हैं, जैसा कि नीचे सूचीबद्ध है:

मैनपुरी स्टेशन को सेवित करने वाली रेल सेवाएं:

क्र.सं.	रेलगाड़ी संख्या और नाम
1	14151 / 14152 कानपुर सेंट्रल - आनंद विहार (टी) एक्सप्रेस
2	14117 / 14118 प्रयागराज-भिवानी कालिंदी एक्सप्रेस
3	64623 / 64624 आगरा कैंट - मैनपुरी मेमू
4	51905 / 51906 फर्रुखाबाद - टुंडला पैसेंजर
5	55341 / 55342 शिकोहाबाद - कासगंज पैसेंजर

मैनपुरी कचहरी स्टेशन को सेवित करने वाली रेल सेवाएं:

क्र.सं.	रेलगाड़ी संख्या और नाम
1	51905 / 51906 फर्रुखाबाद - टुंडला पैसेंजर
2	55341 / 55342 शिकोहाबाद - कासगंज पैसेंजर

शिकोहाबाद स्टेशन को सेवित करने वाली रेल सेवाएं:

क्र.सं.	रेलगाड़ी संख्या और नाम
1	12179 / 12180 लखनऊ-आगरा फोर्ट एक्सप्रेस
2	12311 / 12312 हावड़ा-कालका एक्सप्रेस
3	12419 / 12420 लखनऊ-नई दिल्ली एक्सप्रेस
4	14117 / 14118 प्रयागराज-भिवानी एक्सप्रेस
5	14151 / 14152 कानपुर सेंट्रल - आनंद विहार (टी) एक्सप्रेस
6	14163 / 14164 सुबेदारगंज-मेरठ सिटी एक्सप्रेस
7	14217 / 14218 प्रयागराज संगम-चंडीगढ़ एक्सप्रेस
8	14853 / 14854 वाराणसी सिटी-जोधपुर एक्सप्रेस
9	14863 / 14864 वाराणसी सिटी-जोधपुर एक्सप्रेस

10	14865 / 14866 वाराणसी सिटी-जोधपुर एक्सप्रेस
11	15483 / 15484 अलीपुर द्वार - दिल्ली एक्सप्रेस
12	15657 / 15658 दिल्ली-कामाख्या एक्सप्रेस
13	18101 / 18102 टाटानगर -जम्मू तवी एक्सप्रेस
14	18309 / 18310 संबलपुर-जम्मू तवी एक्सप्रेस
15	19037 / 19038 बांद्रा (टी)-बरौनी एक्सप्रेस
16	51905 / 51906 फर्रुखाबाद-टुंडला पैसेंजर
17	55341 / 55342 शिकोहाबाद - कासगंज पैसेंजर
18	64587 / 64588 कानपुर सेंट्रल - टुंडला मेमू
19	64605 / 64606 इटावा-टुंडला मेमू
20	64625 / 64626 इटावा -मथुरा मेमू
21	64631 / 64632 फफूंद-शिकोहाबाद मेमू

रेलगाड़ियों को शुरू/विस्तार करने के लिए अन्य बातों के साथ-साथ संसद सदस्यों, निर्वाचित प्रतिनिधियों, संगठनों/विभिन्न स्तरों पर रेल उपयोगकर्ताओं आदि, जिनमें रेलवे बोर्ड, क्षेत्रीय रेलवे, मंडल कार्यालय आदि शामिल हैं, से औपचारिक और अनौपचारिक दोनों प्रकार से प्रस्ताव/अनुरोध/सुझाव/ अभ्यावेदन प्राप्त होते हैं। चूंकि ऐसे प्रस्ताव/अनुरोध/सुझाव प्राप्त होना एक सतत् और गतिशील प्रक्रिया है, इसलिए ऐसे अनुरोधों का केन्द्रीकृत सार-संग्रह नहीं रखा जाता। बहरहाल, समय-समय पर इनकी जांच की जाती है और यथा साध्य और औचित्यपूर्ण कार्रवाई की जाती है, जो सतत् प्रक्रिया है।

इसके अलावा, किसी भी मार्ग/खंड पर रेलगाड़ी सेवाएं शुरू करना, जो सतत् प्रक्रिया है, विभिन्न कारकों पर निर्भर करता है जिनमें शामिल हैं :-

- उस खंड की क्षमता
- मार्ग की उपलब्धता
- अपेक्षित चल स्टॉक की उपलब्धता
- चल स्टॉक के लिए संबंधित अवसंरचना की उपलब्धता
- रेलपथ और अन्य परिसंपत्तियों के अनुरक्षण की आवश्यकता

मैनपुरी की संपर्कता में सुधार के लिए इटावा-मैनपुरी नई लाइन (58 कि.मी.) का कार्य पूरा हो गया है।

उत्तर प्रदेश राज्य में पूर्णतः/अंशतः तौर पर आने वाली अवसंरचना परियोजनाओं और संरक्षा कार्यों के लिए बजट आवंटन निम्नानुसार है:

अवधि	परिव्यय
2009-14	1,109 करोड़ रुपए प्रतिवर्ष
2025-26	19,858 करोड़ रुपए (लगभग 18 गुना)

वर्ष 2009-14 और 2014-25 के दौरान उत्तर प्रदेश राज्य में पूर्णतः/अंशतः तौर पर आने वाले नए रेलपथ की कमीशनिंग/बिछाने का ब्यौरा निम्नानुसार है:-

अवधि	कमीशन किए गए नए रेलपथ	नए रेलपथ की औसत कमीशनिंग
2009-14	996 किलोमीटर	199 किलोमीटर प्रतिवर्ष
2014-25	5,272 किलोमीटर	479 किलोमीटर प्रतिवर्ष (2 गुना से अधिक)

01.04.2025 की स्थिति के अनुसार, उत्तर प्रदेश राज्य में पूर्णतः/अंशतः तौर पर आने वाली 62,360 करोड़ रुपए लागत वाली 3,807 किलोमीटर कुल लंबाई की 49 परियोजनाएं (10 नई लाइन, 02 आमान परिवर्तन और 37 दोहरीकरण) स्वीकृत की गई हैं। कार्य की संक्षेप में स्थिति निम्नानुसार है:-

कोटि	परियोजनाओं की संख्या	कुल लंबाई (किलोमीटर में)	कमीशन की गई लंबाई (किलोमीटर में)	मार्च, 2025 तक किया गया व्यय (करोड़ रुपए में)
नई लाइन	10	1227	340	10517
आमान परिवर्तन	02	67	0	281
दोहरीकरण/बहुपथन	37	2513	983	19813
कुल	49	3807	1323	30611

मैनपुरी जिले सहित उत्तर प्रदेश राज्य में पूर्णतः/अंशतः तौर पर आने वाली तथा हाल ही में पूरी की गई कुछ परियोजनाओं का विवरण निम्नानुसार है:

क्र. सं.	परियोजना	लागत (करोड़ रुपए में)
	इटावा-मैनपुरी नई लाइन (58 किलोमीटर)	313
	बहराइच-नानपारा-नेपाल गंज आमान परिवर्तन (56 किलोमीटर)	342
	बलिया-गाजीपुर सिटी दोहरीकरण (65 किलोमीटर)	650
	गाज़ीपुर सिटी-तारीघाट नई लाइन (17 किलोमीटर)	1766
	गोंडा-गोरखपुर लूप आमान परिवर्तन (260 किलोमीटर)	863
	गोंडा-बहराइच आमान परिवर्तन (60 किलोमीटर)	318

	बाराबंकी-अकबरपुर दोहरीकरण (161 किलोमीटर)	1700
	कप्तानगंज-थावे-छपरा आमान परिवर्तन (234 किलोमीटर)	819
	पीलीभीत-शाहजहांपुर आमान परिवर्तन (83 किलोमीटर)	589
	इंदारा-दोहरीघाट आमान परिवर्तन (34 किलोमीटर)	213
	लखनऊ-पीलीभीत आमान परिवर्तन (263 किलोमीटर)	1634
	भदोही-जंघई दोहरीकरण (31 किलोमीटर)	168
	लहोटा-भदोही दोहरीकरण (39 किलोमीटर)	184
	मेरठ-मुजफ्फरनगर दोहरीकरण (55 किलोमीटर)	430
	फाफामऊ-प्रयागराज दोहरीकरण (14 किलोमीटर)	212
	मुजफ्फरनगर-टपरी दोहरीकरण (52 किलोमीटर)	525
	उतरेटिया-रायबरेली दोहरीकरण (66 किलोमीटर)	662
	रायबरेली-अमेठी दोहरीकरण (60 किलोमीटर)	668
	आलमनगर-उतरेटिया दोहरीकरण (20 किलोमीटर)	358
	भीमसेन-झांसी दोहरीकरण (206 किलोमीटर)	2620
	डोमिनगढ़-गोरखपुर-कुसुम्ही - तीसरी लाइन और गोरखपुर-नकहा जंगल दोहरीकरण (21 किलोमीटर)	508
	मल्हौर-डालीगंज दोहरीकरण (13 किलोमीटर)	183
	रूमा चकेरी- चंदारी तीसरी लाइन (13 किलोमीटर)	177
	बरेली-पीलीभीत-टनकपुर आमान परिवर्तन (102 किलोमीटर)	313
	रोसा-सीतापुर कैंट-बुढ़वल दोहरीकरण (181 किलोमीटर)	2094
	जौनपुर-अकबरपुर (टांडा) दोहरीकरण (77 किलोमीटर)	676
	रमना-रेणुकूट-सिंगरौली दोहरीकरण (160 किलोमीटर)	2436
	जंघई-फाफामऊ दोहरीकरण (47 किलोमीटर)	414
	वाराणसी-माधोसिंह-प्रयागराज दोहरीकरण (120 किलोमीटर)	2018
	करैला रोड- शक्तिनगर दोहरीकरण (32 किलोमीटर)	763
	देवबंद (मुजफ्फरनगर)-रुड़की (27 किलोमीटर)	1289
	आगरा-इटावा नई लाइन (110 किलोमीटर)	427

उत्तर प्रदेश राज्य में पूर्णतः/अंशतः तौर पर आने वाली कुछ परियोजनाएं जो शुरू की गई हैं, इस प्रकार हैं:

क्र. सं.	परियोजना	लागत (करोड़ रुपए में)
	बाराबंकी-बुढ़वल तीसरी लाइन (27 किलोमीटर)	426
	बुढ़वल- गोंडा कचहरी चौथी लाइन (56 किलोमीटर)	796
	बुढ़वल-गोंडा तीसरी लाइन (62 किलोमीटर)	1118
	बहराइच-खलीलाबाद नई लाइन (240 किलोमीटर)	4940
	कटरा और अयोध्या धाम दोहरीकरण (10 किलोमीटर)	466
	पंडित दीन दयाल उपाध्याय- प्रयागराज तीसरी लाइन (150 किलोमीटर)	2649
	बिल्ली-चुनार दोहरीकरण (102 किलोमीटर)	1424
	छपरा-बलिया दोहरीकरण (65 किलोमीटर)	1046
	ऊंचाहार-अमेठी नई लाइन (66 किलोमीटर)	1229
	एटा-कासगंज नई लाइन (29 किलोमीटर)	389
	फेफना-इन्दारा, मऊ-शाहगंज दोहरीकरण (150 किमी)	1778
	गोरखपुर- वाल्मीकिनगर दोहरीकरण (96 किलोमीटर)	1121
	वाराणसी-पंडित दीन दयाल उपाध्याय तीसरी और चौथी लाइन (15 किलोमीटर)	2464
	झांसी-खैरार-मानिकपुर और खैरार-भीमसेन दोहरीकरण (431 किलोमीटर)	4330
	सहजनवा-दोहरीघाट नई लाइन (81 किलोमीटर)	1320

रेल परियोजना/परियोजनाओं का पूरा होना कई कारकों पर निर्भर करता है, जिनमें निम्नलिखित शामिल हैं:

- राज्य सरकार द्वारा भूमि अधिग्रहण
- वन संबंधी स्वीकृति
- अतिलंघनकारी जनोपयोगी सुविधाओं का स्थानांतरण
- विभिन्न प्राधिकरणों से सांविधिक स्वीकृतियाँ
- क्षेत्र की भूवैज्ञानिक और स्थलाकृतिक परिस्थितियाँ
- परियोजना स्थल के क्षेत्र में कानून और व्यवस्था की स्थिति
- परियोजना स्थल विशेष के लिए वर्ष में कार्य करने के महीनों की संख्या आदि।

ये सभी कारक परियोजना/परियोजनाओं के समापन-समय और लागत को प्रभावित करते हैं।

विद्युतीकरण:

भारतीय रेल में रेल नेटवर्क का विद्युतीकरण मिशन मोड में शुरू किया गया है। अब तक, बड़ी लाइन नेटवर्क का लगभग 99.4% विद्युतीकृत किया जा चुका है। शेष नेटवर्क में विद्युतीकरण कार्य शुरू हो गया है। वर्ष 2014-25 के दौरान और वर्ष 2014 से पहले किए गए विद्युतीकरण का ब्यौरा निम्नानुसार है:

अवधि	मार्ग किलोमीटर
2014 से पहले (लगभग 60 वर्ष)	21,801
2014-2025	46,900

उत्तर प्रदेश में मैनपुरी जिले सहित संपूर्ण मौजूदा बड़ी लाइन नेटवर्क का विद्युतीकरण किया गया है। इसके अलावा, सभी नई लाइन/बहुपथन परियोजनाओं को विद्युतीकरण के साथ स्वीकृति प्रदान की जा रही है और उनका निर्माण किया जा रहा है।

यात्री सुविधाएं:

रेलवे स्टेशन पर यात्री सुविधाओं को स्टेशन की कोटि पर मानदंडों के आधार पर अपलब्ध कराया जाता है। मैनपुरी जिले में रेलवे स्टेशनों सहित भारतीय रेल पर यात्री सुविधाओं में सुधार आवश्यकता, यात्री यातायात की मात्रा और कार्य सापेक्ष प्राथमिकता प्राथमिकता के आधार पर एक निरंतर और चल रही प्रक्रिया है, जो धन की उपलब्धता के अध्यधीन है। इसके अलावा, वर्तमान में, स्टेशनों का आधुनिकीकरण 'अमृत भारत स्टेशन योजना' के तहत किया जा रहा है, जिसमें दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ निरंतर आधार पर स्टेशनों के विकास की परिकल्पना की गई है।

भारतीय रेल ने दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ स्टेशनों के पुनर्विकास के लिए अमृत भारत स्टेशन योजना शुरू की है।

इस योजना में स्टेशनों में सुधार लाने के लिए मास्टर योजना तैयार करना और उनका चरणबद्ध कार्यान्वयन शामिल है। इस मास्टर योजना में निम्नानुसार शामिल हैः-

- स्टेशन और परिचलन क्षेत्रों तक पहुंच में सुधार,
- स्टेशन का शहर के दोनों भागों के साथ एकीकरण,
- स्टेशन भवन में सुधार,
- प्रतीक्षालय, शौचालय, बैठने की व्यवस्था, पानी के बूथ में सुधार,
- यात्री यातायात के अनुरूप चौड़े पैदल पार पुल/एयर कॉनकोर्स का प्रावधान,
- लिफ्ट/स्वचालित सीढ़ियों/रैंप का प्रावधान,
- प्लेटफॉर्म की सतह और प्लेटफॉर्म पर कवर में सुधार/प्रावधान,

- 'एक स्टेशन एक उत्पाद' जैसी योजनाओं के माध्यम से स्थानीय उत्पादों के लिए कियोस्क का प्रावधान,
- पार्किंग क्षेत्र, यातायात के विभिन्न साधनों के साथ एकीकरण,
- दिव्यांगजनों के लिए सुविधाएं,
- बेहतर यात्री सूचना प्रणाली,
- प्रत्येक स्टेशन पर आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए एक्जीक्यूटिव लाउंज, व्यावसायिक बैठकों के लिए नामित स्थान, भूसुदर्शनीकरण आदि का प्रावधान।

इस योजना में आवश्यकतानुसार, चरणबद्ध एवं व्यवहार्य रूप से दीर्घकालिक और पर्यावरण अनुकूल समाधान, गिट्टी रहित रेलपथ का प्रावधान आदि तथा दीर्घावधि में स्टेशन पर सिटी सेंटर के निर्माण की परिकल्पना भी की गई है।

अभी तक, इस योजना के अंतर्गत विकास हेतु 1337 स्टेशनों को चिह्नित किया गया है, जिनमें से मैनपुरी जिले के मैनपुरी जंक्शन स्टेशन सहित 157 स्टेशन उत्तर प्रदेश में स्थित हैं। उत्तर प्रदेश में अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत विकास के लिए चिह्नित स्टेशनों के नाम इस प्रकार हैं:

राज्य	स्टेशनों की संख्या	स्टेशनों के नाम
उत्तर प्रदेश	157	अछनेरा, आगरा कैंट, आगरा फोर्ट, ऐशबाग जं., अकबरपुर जं., अलीगढ, अमेठी, अमरोहा, आनंद नगर जं., आंवला, अयोध्या धाम जंक्शन, आज़मगढ़, बाबतपुर, बछरावां, बदांयू, बादशाहनगर, बादशाहपुर, बहेड़ी, बहराईच, बालामऊ जं., बलिया, बलरामपुर, बनारस, बांदा, बाराबंकी जं., बरेली, बरेली सिटी, बढ़नी, बस्ती, बेल्थरा रोड, भदोही, भरतकुंड, भटनी, भूतेश्वर, बिजनौर, बुलन्दशहर, चंदौली मझवार, चंदौसी, चिलबिला, चित्रकूट धाम कर्वी, चोपन, चुनार जं., डालीगंज, दर्शननगर, देवरिया सदर, धामपुर, दिलदारनगर, इटावा जं., फर्रुखाबाद, फतेहाबाद, फतेहपुर, फतहपुर सीकरी, फिरोजाबाद, गजरौला, गढ़मुक्तेसर, गौरीगंज, घाटमपुर, गाजियाबाद, ग़ाज़ीपुर सिटी, गोला गोकर्णनाथ, गोमतीनगर, गोंडा, गोरखपुर, गोवर्धन, गोविंदपुरी, गुरसहायगंज, हैदरगढ़, हापुड, हरदोई, हाथरस सिटी, ईदगाह आगरा जंक्शन, इज्जतनगर, जंघई जंक्शन, जौनपुर सिटी, जौनपुर जंक्शन, कन्नौज, कानपुर अनवरगंज, कानपुर ब्रिज लेफ्ट बैंक, कानपुर सेंट्रल, कप्तानगंज जंक्शन, कासगंज जंक्शन, काशी, खलीलाबाद, खोरासों रोड, खुर्जा जंक्शन, कोसी कलां, कुंडा हरनामगंज, लखीमपुर, लालगंज, ललितपुर जंक्शन, लंभुआ, लोहता, लखनऊ (चारबाग) उत्तर रेलवे, लखनऊ सिटी, लखनऊ जंक्शन (पूर्वोत्तर रेलवे), मां बेल्हा देवी प्रतापगढ़ जंक्शन, मगहर, महाराजा बिजली पासी, महोबा जंक्शन, मैलानी

		जंक्शन, मैनपुरी जंक्शन, मल्हौर, मानक नगर, मानिकपुर जंक्शन, मारियाहू, मथुरा जंक्शन, मऊ जंक्शन, मेरठ सिटी जंक्शन, मिर्ज़ापुर, मोदीनगर, मोहनलालगंज, मुरादाबाद जंक्शन, मुजफ्फरनगर, नगीना, नजीबाबाद जंक्शन, उरई, पनकी धाम, फाफामऊ जंक्शन, फूलपुर, पीलीभीत जंक्शन, पोखरायां, प्रयाग जंक्शन, प्रयागराज जंक्शन, पं. दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन, रायबरेली जंक्शन, राजा की मंडी, रामघाट हाल्ट, रामपुर जंक्शन, रेनुकूट, सहारनपुर जंक्शन, सलेमपुर, स्योहारा, शाहगंज जंक्शन, शाहजहाँपुर, शामली, शिकोहाबाद जंक्शन, शिवपुर, सिद्धार्थ नगर, सीतापुर जंक्शन, सोनभद्र, श्रीकृष्ण नगर, सुल्तानपुर जंक्शन, सुरेमनपुर, स्वामीनारायण छपिया, तकिया, तुलसीपुर, टूंडला जंक्शन, उझानी, ऊंचाहार, उन्नाव जंक्शन, उतरेतिया जंक्शन, वाराणसी कैंट, वाराणसी सिटी, विंध्याचल, वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी, व्यासनगर, जाफराबाद

उत्तर प्रदेश में अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत रेलवे स्टेशनों पर विकास कार्य तेज गति से शुरू किए गए हैं। अब तक, इस योजना के अंतर्गत उत्तर प्रदेश में 23 स्टेशनों (अयोध्या धाम जंक्शन, बलरामपुर, बरेली सिटी, बिजनौर, फतेहाबाद, फतेहपुर गोला गोकर्णनाथ, गोमती नगर, गोवर्धन, गोविंदपुरी, हाथरस सिटी, ईदगाह आगरा जं., इज्जतनगर, खलीलाबाद, मैलानी जंक्शन, पनकी धाम, पुखरायां, रामघाट हॉल्ट, सहारनपुर जं., सिद्धार्थ नगर, सुरेमनपुर, स्वामीनारायण छपिया, उझानी) पर कार्य पूरे किए जा चुके हैं।

अन्य स्टेशनों पर भी विकास संबंधी गतिविधियां तेज गति से शुरू की गई हैं और कुछ स्टेशनों की प्रगति नीचे दी गई है:

- मैनपुरी जंक्शन स्टेशन: नए स्टेशन भवन, पोर्च, सार्वजनिक आरक्षण प्रणाली काउंटर, प्रतीक्षालय, परिचलन क्षेत्र, पार्किंग, पहुंच मार्ग, प्रकाश व्यवस्था, जन उद्घोषणा प्रणाली, साइनेज और 12 मीटर पैदल पार पुल का कार्य पूरा हो चुका है। दिव्यांगजन सुविधाओं का कार्य शुरू कर दिया गया है।
- गाजियाबाद स्टेशन: मुख्य प्रवेश द्वार और दूसरे प्रवेश द्वार की ओर स्टेशन भवन के संरचनात्मक कार्य, टुंडला छोर पर नए पैदल पार पुल-बी का नींव संबंधी कार्य, रूफ प्लाजा, मौजूदा पैदल पार पुल - ए का विस्तार कार्य, मुख्य प्रवेश द्वार और दूसरे प्रवेश द्वार पर विद्युत सब स्टेशन का अंतिम रूप से कार्य, मजिस्ट्रेट भवन, राजकीय रेल पुलिस और रेल सुरक्षा बल के भवनों का कार्य शुरु किया गया है।
- रामपुर जंक्शन स्टेशन: नए स्टेशन भवन, प्लेटफॉर्म शेल्टर, प्लेटफॉर्म सतह, बुकिंग कार्यालय, प्रतीक्षालय, शौचालय का कार्य पूरा हो चुका है। परिचलन क्षेत्र और पैदल पार पुल के कार्य शुरू किए गए हैं।

- **शाहजहांपुर स्टेशन: प्लेटफॉर्म संख्या 1 और 2/3 पर प्लेटफॉर्म शेल्टर और सतह के कार्य पूरे हो चुके हैं। स्टेशन भवन के सुधार, दूसरे प्रवेश द्वार पर नए स्टेशन भवन, परिचलन क्षेत्र और पैदल पार पुल के कार्य शुरू किए गए हैं।**
- **शिकोहाबाद जंक्शन स्टेशन: नए स्टेशन भवन का निर्माण कार्य, प्लेटफॉर्म संख्या 1/2 की सतह का कार्य, परिचलन क्षेत्र में सुधार, पार्किंग और दिव्यांगजन सुविधाओं का कार्य पूरा हो चुका है। 12 मीटर पैदल पार पुल का कार्य शुरू कर दिया गया है।**

इसके अलावा, भारतीय रेल विकास/पुनर्विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण सतत और चलायमान प्रक्रिया है और इस संबंध में कार्य सापेक्ष प्राथमिकता और धन की उपलब्धता के अध्यधीन, आवश्यकता के अनुसार शुरू किए जाते हैं। रेलवे स्टेशनों के विकास/पुनर्विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण कार्य स्टेशन की कोटि/स्थिति/सम्हाले जाने वाले यातायात आदि के आधार पर किए जाते हैं।

अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत सहित स्टेशनों का विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण सामान्यतः योजना शीर्ष-53 'ग्राहक सुविधाएं' के अंतर्गत वित्तपोषित किया जाता है। योजना शीर्ष-53 के अंतर्गत आबंटन और व्यय का विवरण क्षेत्रीय रेलवे-वार रखा जाता है, न कि कार्य-वार या स्टेशन-वार या निर्वाचन क्षेत्र-वार या राज्य-वार। उत्तर प्रदेश राज्य पाँच क्षेत्रीय रेलों नामतः पूर्व मध्य रेलवे, उत्तर रेलवे, उत्तर मध्य रेलवे, पूर्वोत्तर रेलवे और पश्चिम मध्य रेलवे के अधिकार क्षेत्र में आता है। इन क्षेत्रीय रेलों के लिए वित्त वर्ष 2025-26 के लिए 3,794 करोड़ रुपए का आबंटन किया गया है, जिसमें से अब तक (जनवरी, 2026 तक) 3,343 करोड़ रुपए का व्यय उपगत किया गया है।

मैनपुरी जिले में मैनपुरी रेलवे स्टेशन पर 02 वॉटर कूलर और भोगाँव रेलवे स्टेशन पर 01 वॉटर कूलर उपलब्ध है। इसके अलावा, मैनपुरी रेलवे स्टेशन पर 02 अदद यात्री लिफ्ट उपलब्ध कराने का कार्य भी शुरू किया गया है।

*****